



Mr.p.arora



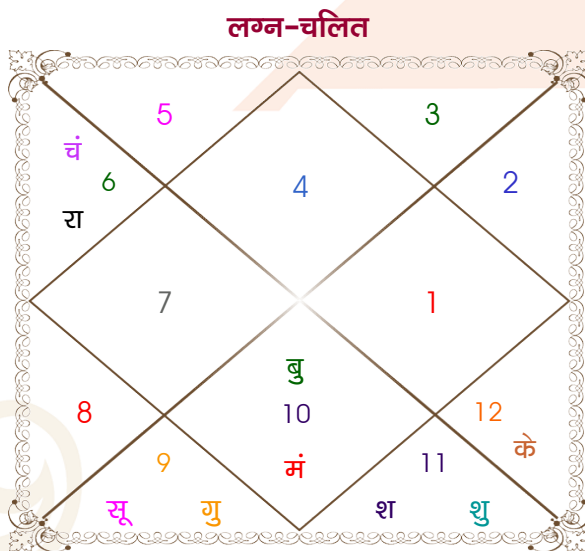
Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120682604

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 12/01/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 14/03/1997
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
 घंटे 19:10:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:45:00 घंटे
 घंटे 29:46:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 38:01:20 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Panipat
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 29:24:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:58:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:22:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:15:31 : _____ सूर्योदय _____ : 06:33:36
 17:43:03 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:29:35
 23:48:13 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:49:05

विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 2मा 14दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि
राहु		17:12:01	कर्क	लग्न	तुला	13:30:55	राहु
29/03/2011		27:49:32	धनु	सूर्य	मीन	00:18:34	15/09/2010
28/03/2029		12:23:26	कन्या	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2028
राहु	09/12/2013	09:25:10	मक	मंगल व	कन्या	03:59:09	राहु
गुरु	03/05/2016	10:40:35	मक व	बुध	मीन	03:12:44	28/05/2013
शनि	10/03/2019	08:16:20	धनु	गुरु	मक	17:52:22	गुरु
बुध	27/09/2021	03:00:05	कुंभ	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि
केतु	15/10/2022	26:27:50	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध
शुक्र	15/10/2025	27:46:57	कन्या व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु
सूर्य	09/09/2026	27:46:57	मीन व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र
चन्द्र	10/03/2028	06:12:43	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य
मंगल	28/03/2029	01:18:32	मक	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र
		08:30:19	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल
							15/09/2028



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.p.arora का वर्ग मूषक है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.p.arora और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.p.arora मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.p.arora की कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.p.arora की कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः । त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.p.arora कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.p.arora तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।